हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 7 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

लेखापाल मुकेश विश्वकर्मा निलंबित

मण्डला। कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरतने पर कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभाग के लेखापाल मुकेश विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय कार्यालय कार्यालय कलेक्टर मंडला द्वारा निर्धारित किया गया है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

थानों में लावारिस हालत में कंडम वाहनों की हुई नीलामी

मण्डला। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश के पालन में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मण्डला के थानों में जप्त लावारिस वाहनों के संबंध में अभियान चलाया जाकर जप्त वाहनों की लगातार नीलामी की कार्रवाई सम्पन्न कराई जा रही है। अब तक जिला मंडला के अलग अलग थानों मे लावारिस हालत में परिसर में कंडम 150 से भी अधिक वाहनों की निलामी प्रकिया संपन्न करायी गयी। प्राप्त आकड़ों के अनुसार जनवरी माह में थाना कोतवाली में संपन्न 73 वाहनों की निलामी में 4 लाख से अधिक की राशि प्राप्त की गयी। ऐसे ही निलामी की प्रक्रिया में मंडला पुलिस के विभिन्न थानों जैसे थाना महाराजपुर में 25 पुलिस एक्ट में जब्त 16 वाहनों की, थाना नैनपुर में जब्त 19 वाहनों की, थाना बम्हनी बंजर में जप्त कुल 25 वाहनों, थाना निवास में 11 व मनेरी चौकी में जब्त 09 वाहनों की निलामी कार्यवाही की गयी है। इसी क्रम में आज दिनांक को पुलिस थाना बिछिया परिसर में इस्तगासा क्रमांक 01/23 धारा 25 पुलिस एक्ट में जप्त किए गए तीन मोटरसाइकिल एक पिकअप की नीलामी की कार्यवाही अनुभागी दंडाधिकारी बिछिया के निर्देशन पर अनु.अधिकारी पुलिस बिछिया, थाना प्रभारी बिछिया, आर.आई. बिछिया टीम द्वारा नीलामी की कार्यवाही संपन्न की गई है।

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

मण्डला। समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने कोरवर्क पर फोकस करें। विभिन्न स्तर पर समीक्षा करते हुए विभागीय योजनाओं में प्रगति लाएं। उन्होंने सभी विभाग अपने स्तर पर नवाचार करें, विभागीय संरचनाओं तथा सेवाओं को बेहतर बनाएं। बैठक में कलेक्टर ने जिला स्तर पर किए गए विभिन्न विभागों द्वारा उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए सभी विभागों को सकारात्मक सोच के साथ बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

नमामि गंगे परियोजना की गतिविधियों में सभी की सहभागिता आवश्यक-डॉ. सिडाना

जल स्त्रोतों की हो सही समीक्षा

*** समीक्षा बैठक में कलेक्टर के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पिछले काफी वर्षो से विभिन्न कार्यक्रमों के नाम पर भूमिगत जल स्तर बढ़ाने, वनों की संख्या बढ़ाने एवं सिंचाई का रकबा बढ़ाने अभियान चलाये गये लेकिन ये अभियान कुछ दिनों तक और सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित रहे फिर चाहे वह जलाभिषेक अभियान हो या फिर वर्तमान में चल रहा नमामि गंगे परियोजना। पिछले वर्ष अमृत सरोवर योजना के तहत भी अभियान चलाया गया था इन सभी कार्यक्रमों की यदि क्षेत्रवार व्यापक समीक्षा प्रशासन जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर कर लें तो हकीकत सामने आ जायेगी।

अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब निर्माणों में जो अनियमित्तायें एवं धांधली निर्माण एजेंसियों द्वारा की गई वह जगजाहिर है इसके पूर्व जल संरक्षण को लेकर स्टापडेम बनाये गये थे यदि इनकी भी ईमानदारी से समीक्षा कर ली जाये तो अधिकारियों की हकीकत स्पष्ट हो जायेगी। एक ही नाले में 3-4 किलोमीटर के बीच 5 से 7 स्टापडेम बना देना कहां की तकनीक है नाला ऐसा कि एक स्टापडेम बना देने के बाद आगे पानी नजर नहीं आता तो फिर बाकी के स्टापडेम क्या देखकर बनाये गये और इनकी तकनीकि स्वीकृति किस तकनीकि अधिकारी ने जारी की उसका तो सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जाना चाहिये कि बिना पानी के स्टापडेम का निर्माण शायद विशेष तकनीक के तहत आती हो। ऐसे एक नहीं दर्जनों नाले हैं जिनकों देखने की या इन योजनाओं की समीक्षा की फुर्सत न तो प्रशासन को है और न ही जनप्रतिनिधि इसमें उत्साह दिखा रहे हैं।

जल संरक्षण को लेकर भले सीमित काम हो लेकिन ईमानदारी से हो तो परिस्थिति बदलेगी अन्यथा पिछले वर्षो की तरह यही हाल रहा तो दुर्गति होना स्वाभाविक है।

अधिकारियों की ली बैठक

नमामि गंगे परियोजना के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिए 5 जून से 16 जून तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि इस महत्वपूर्ण अभियान में सभी विभागों की भागीदारी आवश्यक है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में तथा नगरीय प्रशासन विभाग नगरीय क्षेत्रों में अभियान को लीड करेंगे। जल स्त्रोतों के निकट से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग की है। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह एवं सहायक कलेक्टर आकिप खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों के सहयोग से करें जल स्त्रोतों की सफाई

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि इस अभियान में सभी विभाग अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिए वातावरण तैयार करें। विभागीय स्तर पर योजना बनाकर जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित करें। स्थानीय लोगों सहयोग प्राप्त करते हुए नदी, तालाब, कुआँ, बावड़ी सहित अन्य जल स्त्रोतों की सफाई करें। आमजन को श्रमदान के लिए प्रेरित करें।

हर अधिकारी, कर्मचारी एक पौधा लगाए

बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मनरेगा सहित अन्य योजनाओं से किए जाने वाले वृक्षारोपण की तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि वृक्षारोपण से संबंधित सभी तैयारियाँ समय से पहले पूरी करें। पंचायतवार लक्ष्य निर्धारित करें तथा उसे प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्तरों पर समीक्षा करें। उन्होंने आव्हान किया कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी कम से कम एक पौधे का रोपण अनिवार्य रूप से करें। बैठक में कलेक्टर ने वृक्षारोपण के लिए स्थलों का चयन, गड्ढे की तैयारी तथा पौधों की उपलब्धता के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

स्वर्गीय अनिल माधव दवे स्मृति उद्यान में फलदार पौधें रोपें गये

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में त्रिवेणी संगमघाट, महाराजपुर में आज दिनांक 6/6/24 को सुबह 8 बजे से स्वर्गीय अनिल माधव दवे स्मृति उद्यान में पौधों का रोपण किया गया। इस उद्यान में प्रख्यात नर्मदा सेवी, पर्यावरणविद् अनिल माधव दवे जी की प्रथम पुण्यतिथि स्मृति में प्रथम बार पीपल के पौधें का रोपण किया गया। उसके बाद लगातार प्रतिवर्ष पौधा रोपा जाता हैं, इसलिए इस उद्यान का नाम स्व. अनिल माधव दवे स्मृति उद्यान रखा गया हैं। वर्ष 2023 की भयंकर बाढ में इस उद्यान के 7 पेड़ टूट कर खराब हो गये थे, उन खाली हुए स्थानों में से 2 पौधें अनिल माधव दवे जी की स्मृति में उनकी सातवीं पुण्यतिथि 18 मई 2024 को म.प्र. शासन की केबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने रोपित किया था। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के दिन महिष्मती नगरी मण्डला के नर्मदा अनुरागियों द्वारा मिलकर 5 पौधें (आम, जामुन, बड़, पीपल व नीम) लगायें एवं इनकी सेवा कर इनको बड़ा करने का संकल्प भी लिया।

इस उद्यान की नियमित देखरेख और खाद-पानी देने का कार्य माँ नर्मदा समग्र परिक्रमापथ व्यवस्थापन संस्थान के सक्रिय सदस्यों द्वारा किया जाता हैं। शहर में यह उद्यान एक ऐसा उदाहरण हैं जहाँ पर सफल पौधरोपण कर, उसकी सतत निगरानी और देखरेख करते हुए, पौधों को बड़ा किया जा सका हैं। त्रिवेणी संगमघाट महाराजपुर के इस स्थान में हजारों लोंग प्रतिदिन आते हैं, उनमें अधिकतर यात्री लोग इन्हीं पेड़ों के नीचे शरण लेते हैं, गर्मियों में यह संख्या पूरी तरह इन्हीं पेड़ों के भरोसे दोपहर व्यतीत करती हैं।

चौकी चाबी पुलिस ने रेत ट्रेक्टर एवं ट्राली जब्त किया जब्त

मण्डला। चौकी चाबी थाना मोहगांव पुलिस को दिनांक 05/06/2024 को रात्रि में कस्बा गस्त तथा रोड पेट्रोलिंग गस्त के दौरान चौकी चाबी अंतर्गत झण्डाटोला तरफ से चाबी तरफ आते दिखा जिसे उपका तिराहा मेन रोड चाबी में रोक कर चेक किया जो ट्रेक्टर के ट्रॉली में फुल ट्रॉली रेत भरी हुई था। जिसे पुलिस टीम द्वारा विधिवत जब्त कर चौकी परिसर मे लाकर खड़ा किया गया है। नीले रंग के बिना नंबर की ट्रेक्टर पावर ट्रेक कंपनी की एवं बिना नम्बर की ट्रॉली के चालक का कृत्य धारा 379 ताहि व खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 04/21 का दण्डनीय पाये जाने से, अज्ञात चालक के विरूद्ध धारा सदर का अपराध पंजीबंध्द कर विवेचना में लिया। उक्त कार्यवाही चौकी चाबी प्रभारी उप निरीक्षक अरूण भदौरिया के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक रमेश सैयाम, प्रारंभ मनोज मरकाम की भूमिका रहीं।

नामामि गंगे अभियान के तहत नगर परिषद में कराये गये कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के तहत प्राप्त निर्देश अनुसार पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस के द्वारा के निर्देशन में नगर परिषद बिछिया का दल गठित करते हुए नमामि गंगे अभियान तहत 5 जून 2024 से 16 जून 2024 तक निकाय स्तर पर विभिन्न गतिविधियां की जा रही है, इसी क्रम में वृक्षारोपण कार्य वार्ड क्रमांक 13 में पुराने फिल्टर प्लांट में फलदार व्रक्ष आम अमरूद आवला नीबू के पौधों का रोपण कार्य किया गया पौधे की सुरक्षा के लिये टीगार्ड लगाये गये इसी के तहत नामामि गंगे अभियान के नोडल अधिकारी एच.आर. कुरैशी के नेतृत्व में अन्य गतिविधियां का भी आयोजित किया जाना तय हैं इसी क्रम में 6 जून 2024 को वार्ड क्रमांक 14 अंतर्गत एनीकट के समीप मंदिरों की साफ सफाई एवं एनीकट के घाटों की सफाई कराई गई जिसमें जनमानस में रचनात्मक कार्यो के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कि इसी क्रम में विभागीय कलेण्डर के अनुसार प्रतिदिवस गतिविधियों आयोजित किया जाना हैं। जिसमें समस्त प्रभारी एव कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

महिलाओं ने रखा वटसावित्री का व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

पूरे क्षेत्र में सुहागिन महिला अपने सुहाग की रक्षा के लिए पूरे विधि विधान के साथ वट सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष की विधि विधान से पूजन अर्चन किया। मान्यता अनुसार आज के ही दिन सावित्री ने अपने पति के प्राण की रक्षा की थी, जिसको लेकर उसी दिन से यह परंपरा की शुरुआत हुई वट सावित्री पूजा।

भारतीय संस्कृति में आदर्श नारीत्व का प्रतीक वट सावित्री व्रत आज मनाया गया। अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना से स्त्रियां ने व्रत किया। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाए जाने-वाले इस व्रत में वट और सावित्री की पूजा की गई।

आज नगर में महिलाएं वटवृक्ष के नीचे सत्यवान एवं सावित्री की मूर्ति स्थापित कर धूप, दीप, रोली सिंदूर से पूजन, लाल कपड़ा सत्यवान और सावित्री को अर्पित किया तथा फल चढ़ाएं. फिर बांस के पंखे से सत्यवान सावित्री को हवा किया। बरगद के पत्ते को अपने बालों में लगाकर यथाशक्ति 5,11, 21, 51, 108 बार परिक्रमा कर सत्यवान सावित्री की कथा का श्रवण किया।

सम्मान | **कलेक्टर ने किया नीट परीक्षा में क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान।**

शिक्षा से ही खुलते हैं जीवन में सफलता के द्वार

*** चयनित विद्यार्थियों में प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के 11 विद्यार्थी सम्मिलित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नीट की परीक्षा में क्वालीफाई करने वाले 13 विद्यार्थियों को कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सम्मानित करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि दृढ़संकल्प के साथ की गई मेहनत निश्चित रूप से सफलता प्रदान करती है। अच्छे परिणाम भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षा ही वह माध्यम है जो जीवन में सफलता के द्वार खोलती है। शिक्षा का अन्य कोई विकल्प नहीं है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, सहायक कलेक्टर आकिप खान, प्राचार्य कल्पना नामदेव, मुकेश पांडे, रंजीत गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी, शिक्षक तथा तथा विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। चयनित विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 के तहत संचालित कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थिति देते हुए परीक्षा की तैयारी की थी।

कलेक्टर ने कहा कि नीट की परीक्षा के अनुभवों से सीखते हुए भविष्य में और बेहतर करने का प्रयास करें। काउंसलिंग में अनिवार्य रूप से शामिल हों। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं इन योजनाओं को समझें तथा पात्रता अनुसार लाभ उठाते हुए अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने कहा कि जिंदगी बदलने के लिए पढ़ाई नितांत आवश्यक है। आपकी सफलता से आपके पूरे परिवार का जीवन स्तर बेहतर होता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन 2.0 के संबंध में अपना फीडबैक दिया।

इन्होंने किया नीट क्वालीफाई

जिले के 13 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा क्वालीफाई की है जिनमें तान्या चौधरी, प्रांजल नंदा, तनिष्का साहू, खिलावन लाल धुर्वे, नरगोंडा मरावी, निशा मरावी, अंकित यादव, मुस्कान पनरिया, सोमती पूसाम, रूपाली मसराम, त्रिजश्वरी मरावी, अंशुल चौधरी एवं प्राची हरदहा सम्मिलित हैं। उपरोक्त विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के तहत संचालित कोचिंग क्लास में अध्ययन किया है।

गांजे के मामले में जप्त कार की हुई नीलामी.....

मण्डला। थाना मोतीनाला जिला मंडला (म.प्र.) के अप.क्र. 29/19 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के मामले में गाँजा तस्करो से जप्त किये गये कार क्र. DL3-CBL-5481 की राजसात की कार्यवाही का आदेश माननीय विशेष न्यायाधीश एन.डी.पी.एस. न्यायालय मण्डला से थाना मोतीनाला को प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक मण्डला के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिछिया सुश्री अर्चना यादव की अध्यक्षता में समिति के सदस्य एस.डी.ओ.पी. बिछिया आसिफ इकबाल नायब तहसीलदार संदीप नगोसे, थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप पाण्डेय की उपस्थिति में नीलामी की कार्यवाही दिनांक 06.06.2024 को थाना परिसर मोतीनाला में की गई, कार कीमत 25000 रूपये शासन द्वारा निर्धारित की गई थी जो 25600 रूपये में कार की आखरी बोली शकील अहमद निवासी सिविल लाईन जबलपुर द्वारा की जाकर कार का क्रय किया गया है।

यातायात सुरक्षा एंव सायबर फ्रांड, मोबाईल गुमने पर बम्हनी पुलिस ने किया जागरूता रैली का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने हेतु लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य मार्ग एवं राष्ट्रीय मार्ग पर वाहन चलाने वाले छोटे एव बडे वाहन चालको एंव सडक मार्ग पर चलने वाले आमजनो को जागरूक करने हेतु आज दिनांक 06.06.2024 को थाना प्रभारी वर्षा पटैल द्वारा पुलिस स्टाफ एंव ग्राम रक्षा समिति बम्हनी के साथ मिलकर एक यातायात जागरूता रैली का आयोजन कर बम्हनी बस स्टेण्ड मे सडक मार्ग पर वाहन चलाने वाले बडे वाहन चालको को यातायात नियमो का पालन करने एंव छोटे वाहन मोटर सायकल चालको को हेलमेट लगाकर वाहन चलाने हेतु जागरूक किया गया लोगो को समझाईस दी गयी नाबालिक बच्चो से वाहन न चलवाये, जब भी वाहन का उपयोग करे सडक मार्ग पर लगे यातायात निर्देशो का पूर्णतः पालन करते हुये वाहन चलाये जिससे सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाया जा सके।

इसी तारतम्य मे थाना प्रभारी बम्हनी के द्वारा लोगो को सायबर फ्राड होने पर मध्यप्रदेश पुलिस की नागरिक जनसामान्य के लिए जारी की गयी हेल्पलाईन नं. 1930 पर काल कर National Cyber Crime Reporting Portal पर शिकायत दर्ज करने एंव मोबाईल गुमने पर CEIR Portal के माध्यम से शिकायत दर्ज करने के सबंध में जानकारी देकर लोगो को जागरूक किया गया है।

उक्त कार्यवाही मे निरी. वर्षा पटैल थाना प्रभारी बम्हनी, उप. निरी. खुशबु बिसेन, उप.निरी. बलदाऊ पटैल, प्र.आर. सचिन यादव, प्र.आर. इंद्र सिंह राजपुत, आर. कुनाल, आर.तेवेन्द्र, चालक आर. नवीन, सैनिक बंसत, एंव ग्राम रक्षा समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

खबर संक्षेप

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियाँ

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं। इस तरह से क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ अपना रोजगार फैलाये हुये हैं।

ओवर लोडिंग की भी हद होती है भाई

गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र की सड़कों पर अपने निजी स्वार्थ के चलते वाहन मालिकों द्वारा ओवर लोडिंग करते हुए उनका परिचालन किया जा रहा है, उसके चलते जहां आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर यातायात नियमों की भी धडल्ले से धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? जानकारी के अनुसार कुछ टेक्टर मालिको द्वारा शहर से ग्रामीण क्षेत्रों की सोसाईटियों में माल पहुंचाने की जिम्मेदारी ली गई है जो एक ही चक्कर में अधिक माल पहुंचाने की सोच रखते हुए उनको इस प्रकार से ओवर लोडिंग करते हुए ले जाया जाता है जिससे वाहन चालकों की जिन्दगी के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार की ओवर लोडिंग को नजर अंदाज किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है? यदि समय रहते हुए इस प्रकार की ओवर लोडिंग पर अंकुश नही लगा तो किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार न ही किया जा सकता है?

फैल रहा है नशे का अवैध कारोबार

गाडरवारा। शराब के बाद शहर में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? युवा जिस तरह के नशें की चपेट में आते हुये देखे जा रहे है उसकी सच्चाई बडे महानगरों के तरह सिर्फ फिल्मों में ही देखने मिलती थी। मगर अब हमारे छोटे नगर में जो हकीकत देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक साबित होने से नही चूक रहे है? फिल्मों में दिखाई देने वाले नशें का कारोबार अब नगर में आसानी से मिलने वाली महँगी सिगरेटो के फूँकने के दौरान युवाओं,किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है? वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है, भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक होने के साथ साथ पूरे परिवार को बर्बादी की ओर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदि हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है? जागरूक शहरवासियो का कहना है कि पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देखभाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

राठी तिराहा से बस पुराना बस स्टैंड जाने वाले मार्ग की सड़क पर दिन भर रहता है लोडिंग वाहन का अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर नगर में यातायात को सुगम बनाने के लिये अतिक्रण हटाने के लिये अधिकारियों को कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर दूसरी ओर यहां पर फैले हुये अघोषित अतिक्रमण को जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह नगर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित रूप से दुर्घटनाओं की अशंका पैदा करने से नही चूक रहा है? नगर के राठी तिरहा से पुरानी गल्ला मंडी होते हुये नया बस स्टेन्ड तक पहुंचने वाली सीमेन्ट सड़क कई वर्ष पुरानी होने के कारण आमजन के लिये परेशान होना पड़ रहा था, क्योंकि यह नगर का प्रमुख मार्ग इसलिये माना जाता है। इसी मार्ग से जहां मुख्य बाजार को पहुंचा जाता है। वही दूसरी ओर मंडी से लेकर पेट्रोल पंपों सहित अनेक शिक्षण संस्थाओं के लिये पहुंचने वाली सड़क होने के कारण जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के लिये नगरवासियों द्वारा लगातार मांग उठाई जा रही थी जिसके चलते बड़ी मुश्किलों के बीच जब इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली तो नगरवासी खुशी से झूमते हुये देखे गये। सड़क निर्माण की शुरूआत हुई तो निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस गति से काम किया गया था उसके चलते लोगों को जिस तरह परेशानियों का सामना करना पड़ा था यह बात भी किसी से नही छिपी है। वही दूसरी ओर आमजन के लिये एक उम्मीद थी कि इस सड़क के निर्माण होने से शायद कुछ परेशानियां झेलने के बाद सुविधा मिलेगी वह एक सपना साबित होते हुये जान पड़ रहा है? क्योंकि बड़ी मुश्किलों के बाद इस सड़क का निर्माण कार्य तो हो चुका है। मगर इस सड़क के निर्माण होने के बाद भी आम लोगों को परेशानियों से निजात मिलते हुये दिखाई नही पड़ रही है? क्योंकि इस नवनिर्मित सड़क की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सड़क की पूरी एक पट्टी पर जिस प्रकार से लोडिंग वाहन मालिकों द्वारा कब्जा जमा लिये जाने के बाद इस समय यहां से यातायात व्यवस्था मात्र एक पट्टी के भरोसे ही चलते हुये देखी जा रही है। बताया जाता है कि नगर के राठी तिरहा से पुराने बस स्टेन्ड तक अनेक बड़ी लोहा सीमेन्ट सहित अन्य सामग्री की दुकाने संचालित हो रही है जिनका समान ग्राहकों के घरो तक पहुंचाने वाले अनेक प्रकार के लोडिंग वाहन मालिक इसी सड़क की एक पट्टी पर अपने वाहन खड़े करते हुये अघोषित रूप से दिन भर अतिक्रमण करते हुये कब्जा करने से नही चूक रहे है। कुछ इसी प्रकार का हाल नये बस स्टेन्ड के पास भी देखने मिल रहा है जहां पर नवनिर्मित इस सड़क की एक साईड की पट्टी पर लोडिंग वाहनों के आलवा अनेक दुकानदारों द्वारा अपना कब्जा जमा लिया गया है? जिसका परिणाम है कि इस सड़क की एक साईड की पट्टी से जहां वाहन मालिकों का कब्जा होने से यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से बंद होने के कारण आमजन को अपने वाहन मात्र एक ही पट्टी से निकालने के लिये मजबूर रहने की स्थिति में जब बीच में कोई बड़ा वाहन फंस जाता है तो काफी समय तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी का सामना उन छोटे वाहन चालकों को करना पड़ता है जो दो पहिया वाहन से अपने परिवार को लेकर यहां से कही निकलकर जा रहे होते है या फिर कोई महिला स्कूटी के माध्यम से इस मार्ग से निकल रही होती है। वही दूसरी ओर हाथ ठेला के भरोसे अपनी रोजी रोटी कमाने वालो द्वारा इस प्रकार से सड़क पर अघोषित रूप से लोडिंग वाहन मालिकों द्वारा किये गये अपने वाहनों के माध्यम से अतिक्रमण के चलते उनकी रोजी रोटी भी छिनने से नही चूक पा रही है। यदि गौर किया जावे तो इसी मार्ग के किनारे अनेक ट्रांसपोर्ट भी संचालित हो रहे है जिन का माल आने ले जाने वाले ट्रको की लोडिंग व अनलोडिंग भी इसी सड़क पर खड़े करते हुये किये जाने के कारण आम लोगों के लिये परेशानी का सबब बनने से नही चूक पा रहा है? जिसके चलते यदि सड़क की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बड़ी मुश्किल से बनकर तैयार हुई इस सड़क को लेकर जिस प्रकार से नगर के लोगों ने सोचा था कि उन्हें परेशानी से निजात मिल जावेगी मगर जिम्मेदार अधिकारियों की अनादेखी के चलते वह मिलते हुये दिखाई नही पड़ रही है? इस तरह सड़क पर लगातार बढ़ रही वाहनों के अतिक्रमण की सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों की यह अनदेखी एक बड़ी घटना को ओर संकेत देते हुये जान पड़ रही है? जबकि प्रतिदिन इस मार्ग से पुलिस अधिकारियों के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का निकलना होता रहता है। मगर वह भी चुपचाप इस सच्चाई को देखते हुये नजर अंदाज करते हुये निकलने से नही चूक पाते है, जिसके चलते इस मार्ग पर पूर्णरूप से लोडिंग वाहन मालिको का कब्जा होने के कारण आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। जबकि नगर की सड़को पर यातायात में सुधार लाने के लिये पुलिस द्वारा घुमाये जाने वाला डंडा इस ओर नही घूमने के कारण आमजन को परेशान होने के साथ साथ किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, अधिकारियों को जांच करने के लिए नहीं है समय

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह क्षेत्र के गांवों में औपचारिकता बन कर रह गया हुआ जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गॉवों में इस योजना ने दम तोड दिया है। गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है। पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे है? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है कि साझा चूल्हा योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश है किन्तु अनेक जगहों पर समूहों को संचालन करने वाली महिलाओं के पतियों ने इसे व्यवसाय का माध्यम बना लिया है? जो मीनू का समुचित पालन ही नही हो रहा है, यही नही क्षेत्र के कई गॉवों में विभागीय सॉठ गॉठ के चलतें योजना कागजों में चलते हुए बताई जा रही है? और उनका भुगतान भी समूह ले रहे है? तथा इनकी गुणवत्ता पर भी ऊँगलियॉ उठ रही है? मगर तहसील स्तर से लेकर जिले में बैठे हुए अधिकारियों द्वारा इन्हें जांच करने की बात तो दूर उनके निरीक्षण करने के लिए भी समय नही मिलता जिसके चलते यह शासन की योजना भगवान भरोसे ही चलता हुआ जान पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था, मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशन होते हुए देख जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है? इस संबंध में बताया जाता है कि सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है वही दूसरी ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान लोगों की नींद हराम होती चली जा रही है। वही लोगों का कहना है कि यदि आने वाले और भीषण गर्मी के दिनों में यदि बिजली कटौती का यही आलम बना रहा तो लोगों का जीना मुश्किल हो जावेगा? जानकरी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्जुगों के साथ महिलाओं की नीद उड़ गई है, इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहा से एक ही जबाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नही बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मेंनेटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है? इस प्रकार से सुधार कार्य के नाम पर आये दिन कई घंटों तक बिजली बंद की जा रही है जिसके चलते जहां ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तो प्रभावित होते हुए देखा जाता है, वही किसान भी अपने खेतों में लगाई गई गन्ना सहित अन्य फसलों में पानी देने के लिए परेशान होते हुए देखे जा रहे है।

भीषण गर्मी के दौरान कटौती ने छीना आमजन का अमन व चैन

भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकारों द्वारा अपने आपकों किसान हितैषी बताते हुये किसानों की मदद के लिये खड़े रहने का वादा किया जाता रहे मगर इस समय किसान जिस मुश्बित से परेशान होते हुये देखा जा रहा है उस और न तो सरकार द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार माने जाने वाले जन प्रतिनिधियों के द्वारा जिसका परिणाम है कि किसानों को अपने खेतों में लगाई गई मूंग सहित गन्ना फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली ही नही मिल पा रही है तो दूसरी ओर भीषण कर्मी के दौरान हो रही अघोषित बिजली के कटौती के कारण आमजन का अमन चेन छिनते हुये जान पड़ रहा है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे व आम लोगों के लिये 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया गया है और आये दिन क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम के दौरान सत्ता पार्टी से जुडे हुये नेता किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली देने का डिंडोरा पीटते हुये देखे जाते है। मगर इन दिनों बिजली क अभाव में किसानों के खेतों की क्या हालत हो रही है इस ओर न तो बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान दे रहे है और नही क्षेत्र के जन प्रतिनिधि जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा बड़ी उम्मीदों के साथ अपने खेतों में मूंग फसल बोई गई थी मगर बिजली नही मिलने से सिंचाई के आभाव में सूखते हुये दिखाई देने लगी है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिये निर्धारित समय 10 घंटे में से मुश्किलों के बीच 2 से 3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों को उपयोग हेतु 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले अटल ज्योति योजना की बिजली का हाल तो इस तरह देखा जा रहा है कि उसका बोल्टेज का रोना तो आम बात बनी ही रहती है और दिन रात में कई घंटे तक कटी रहने के कारण लोग गर्मी के दिनों में सुख चेन के साथ सो तक नही पा रहे है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह बिजली विभाग की चल रही मनमानी की ओर क्षेत्र की सत्ताधारी पार्टी से लेकर विपक्ष पार्टी भी जिस प्रकार मौन साधे हुये किसानों की बर्बादी का नजारा देखने में लगी हुई है वह निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है।

पंचायती राज में हो रही अनियमितताओं को शायद सुनने वाला कोई नहीं?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में जिस प्रकार से मनमानी हावी हुई है शायद ही इस प्रकार की कभी देखी गई हो? क्योंकि पंचायतों में अनियमितता और मनमानी करने वालों को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है, पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण हो गया है, जिसकी अनेको शिकायते हुरइं या फिर होती है उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को कोई पता ही नही चलता है, इतना ही नहीं शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम लगातार जारी है? त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने सगे संबंधियों व छुट भैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई पड़ रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतों की ओर ताकते रहते हैं,

किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। इस बात की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? भले ही सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनके उद्वार की बात कही जा रही है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में आज भी गरीब तबका अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में है, वह न ईलाज न शिक्षा न रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आवास हीन लोगों के नाम पर योजना चला दी गई है। मगर इस योजनाओं के हितग्राहियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो गांवो में जाकर आसानी से देखा जा सकता है कि उसके सही पात्र हितग्राही आज भी टूटे हुए भवनों में निवास कर रहे है और पंचातयों के कर्णधारों के संगे संबंधियों के इस योजना का लाभ लेते हुए पक्के भवन बन रहे है? इस प्रकार से क्षेत्र की अनेक पंचयातों में देखा जा रहा है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुए पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ने में कोई कसर छोड़ने से नही चूक रहे हैं? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायतो का हाल तो इस प्रकार से दिखाई दे रहा है जहां पर पंचायतों के कार्यों में सरपंच पतियों का हस्तक्षेप भी इस प्रकार से बढ़ा हुआ देखा जा रहा है कि वह अपनी पत्नियों को मिलने वाला सम्मान अधिकारियों के समक्ष खुद ही लेने से नही चूक रहे है, इस प्रकार की सच्चाई के चलते सही पात्र हितग्राहियों को व आम लोगो को पंचायती राज का लाभ नहीं मिल पा रहा है और सरकार द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाएं एक सपना बनकर रह चुकी है।

नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ही तोड़ रहे नियमों की धज्जियां

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शासन द्वारा हर विभाग में अलग अलग नियम बनाते हुए उनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य किया गया है, इसी प्रकार से रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए आये दिन सख्त हितायत देते हुए नियमो को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भी प्रावधान बनाया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बगैर किसी ठोस कारण के ट्रेन को रोकने व रेल पटरी पार करने सहित रेल विभाग के अन्य नियम बनाये गये है और यदि कोई इन नियमों का पालन नही करता है तो रेल विभाग द्वारा उसके व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दंडित भी किया जाता है? मगर अब सबाल यह उठता है कि जब नियमों का पालन कराने के लिए आम लोगों को पाठ पढ़ाने वाले ही उन नियमों की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर आम पब्लिक से क्या उम्मीद की जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब स्थानीय रेल्वे स्टेशन पर कुछ वर्दीधारी ही नियमों

को दर किनार करते हुये खुलेआम रेल पटरी पार करने से नही चूक रहे थें इस सच्चाई को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि क्या रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियम मात्र आम जनता के लिए ही है? क्योंकि जब हम रेल्वे स्टेशन पर पहुंचते है तो वहां पर लगे हुये स्पीकरों से यह सूचना आये दिन सुनते है कि पैदल रेल पटरी पार करना नियम विरूद्व है और यदि कोई व्यक्ति पैदल रेल पटरी पार करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से विभाग के ही अधिकारियों व बर्दीधारी ही खुलेआम रेल पटरी पैदल पार करते हुए देखा गया तो लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि नियम सिर्फ आम जनता के लिये होते है विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुछ भी करते हुये उन्हें सभी प्रकार की छूट प्रदान की जाती है।

खबर संक्षेप

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला विजयी जूलूस

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोरखपुर में बुधवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव में फग्गनसिंह कुलस्ते को मिली जीत के मौके पर कस्बा में आतिशबाजी और बैंड बाजे के साथ विजयी जूलूस निकाला यह जूलूस हस्तपुरिया निवास से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से दुर्गा मंदिर से आगे बढ़ते हुए हाइवे में चलकर गोरखनाथ मंदिर पहुंचा जहां श्रध्दालुओं ने गोरखनाथ बाबा की विधिवत आरती पूजा कर जीत दिलाने के लिए शीष नवाया।इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं क्षेत्रीय समाजसेवी कृष्ण लाल हस्तपुरिया ने डिंडौरी विधानसभा सहित संसदीय क्षेत्र के सभी मतदाताओं का आभार माना जूलूस के दौरान भाजपा नेता अखलाक कुरैशी सांसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर हस्तपुरिया व्यवसाई व समाजसेवी मिथलेश दुबे चेतराम साहू भाजपा युवा नेता कान्हा शर्मा राजू शमशी गुरमीत सलूजा रामप्रकाश साहू सदर तमजीद कुरैशी राजू सारीवान ज्ञान तेकाम शिवचरण धुर्वे नरेंद्र हस्तपुरिया महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शालिनी मरावी, सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

वट पूजन करके की पति की दीर्घायु की कामना

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। पति की लंबी आयु और स्वास्थ्य की कामना करते हुऐ गुरुवार को सुहागिनों ने वट सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष का पूजन किया। कृष्ण पक्ष की अमावस्या को व्रत रखकर महिलाओं ने देवी सावित्री के पतिप्रेम और पतिव्रत धर्म को स्मरण करके अखंड सौभाग्य के लिए प्रार्थना की है। गुरुवार को शुभ मुहुर्त में बरगद की स्तुति करके शादीशुदा महिलाओं ने पूड़ी, चना और पूआ का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया।पौराणिक कथाओं के मुताबिक वट सावित्री व्रत सती सावित्री से जुड़ा है. कथा के अनुसार देवी सावित्री ने पति के प्राणों की रक्षा के लिए विधि के विधान को बदल दिया था. अपने सतीत्व और कठोर तपस्या से सावित्री ने यमराज को अपने पति सत्यवान के प्राण लौटाने पर विवश कर दिया था. यमराज ने वट वृक्ष के नीचे ही वरदान भी दिया था कि जो सुहागिने वट वृक्ष की पूजा करेंगी,उन्हें अखंड सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद मिलेगा.

अतिथि शिक्षकों की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। जिला मुख्यालय के दरबार भवन (बाईपास रोड) में अतिथि शिक्षकों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन अतिथि शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष इमरान मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें संपूर्ण जिले से अतिथि शिक्षकों ने भाग लिया और अपने सुझाव विचार प्रस्तुत कर आगामी रणनीति तैयार कर संघर्ष के लिए जुटे रहने का संकल्प लिया गया बैठक में सर्वप्रथम संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने इमरान मलिक ने अपने संबोधन में राज्य शासन के द्वारा अतिथि शिक्षकों की मांग, समस्याओं को लेकर बरती जा रही लगातार उदासीनता पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि हम लोग एक तरफ इतने कम वेतन में और असुरक्षित भविष्य के होते हुए भी अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभा रहे हैं और दूसरी तरफ राज्य सरकार अपने अड़ियल रवैए पर कायम हैं और हम लोगों पर अत्याचार कर रही है। इमरान मलिक ने कहा कि हम हताश होकर चुप बैठने वाले लोग नहीं अब हमारा संघर्ष और तेज होगा नियमितीकरण और सामान वेतन जैसे सभी अधिकारों को लेकर ही रहेंगें । जिला स्तरीय आयोजित इस बैठक में प्रमुख रूप से 30: से कम परीक्षा परिणाम आने वाले विद्यालयों से अतिथि शिक्षकों को सेवा से बाहर करने का जो आदेश दिया गया है उसे वापस लिया जाए, जिनकी सेवा समाप्त करने का आदेश नहीं मिला है उसे मई जून का भी मानदेय प्रदान किया जाए।

बिना अनुमति संचालन पर उठ रहे सवाल

ऑनलाइन आवेदन की औपचारिकता कर धड़ल्ले से चल रही अवैध पैथालॉजी

आमजनता की सेहत से खिलवाड़ जारी

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। जिले में गली गली चल रहीं अबैध पैथालॉजी पर कार्रवाई करने की जगह प्रशासन और विभाग इन पैथालॉजी को शह देने का काम कर रहा है। मामला प्रकाशित होने के बाद कुल पाँच पैथालॉजी संचालकों ने मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में लैब संचालन हेतु ऑनलाइन आवेदन किया है। इनमें जिला मुख्यालय के तीन इंडिया डायग्नोस्टिक पैथालॉजी, आरव पैथालॉजी, ओम पैथालॉजी शामिल हैं, जबकि शहपुरा से सुबिधा पैथालॉजी और गाड़ासरई से एक आवेदन दर्ज किये गये हैं। जिससे स्पष्ट हो जाता है कि अभी तक सभी पैथालॉजी अबैध रूप से ही चल रहीं हैं।ताज्जुब का विषय यह है अभी भी बिना अनुमति और मान्यता के संचालित इन केंद्रों के विरुद्ध कार्रवाई से परहेज करते हुऐ जिम्मेदार आगामी दिनों में अनुमति की प्रक्रिया पूरा करने की बात कह रहे हैं।जबकि नियमानुसार प्रशासन को इन अबैध लैब पर कार्रवाई का शिकंजा कस देना था।ताकि आमजनता का शारीरिक और आर्थिक शोषण रोका जा सके।गौरतलब है कि प्रशासनिक अनदेखी के चलते शहर से लेकर गांव तक बिना पेथॉलोजिस्ट और बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध पैथोलॉजी संचालित की जा रही हैं।इनके पास मेडिकल बेस्ट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं है। इसके बावजूद आजतक स्वास्थ्य अमले ने किसी भी पैथोलॉजी लैब के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की है।मुख्यालय में अधिकांश

पैथोलॉजी जिला अस्पताल के आसपास संचालित हैं।जो व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। इनको सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने को कुछ चिकित्सक भी मेहरबान रहते हैं। बता दें कि जिला स्वास्थ्य विभाग के अभिलेखों में अभी तक कोई भी पैथोलॉजी लैब दर्ज नहीं है। लेकिन जिले में दर्जनों पैथोलॉजी में मरीजों की जांच की जा रही है और बाकायदा जांच रिपोर्ट भी जारी हो रही है।जिसके बाद इनके संचालन पर सवाल उठ रहे हैं।

गौरतलब है कि शहर में ही छह से अधिक अवैध पैथोलॉजी लैब मापदंड को हासिये पर रख चल रही हैं। अहम बात यह है कि इसकी जानकारी प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों को भी है। बावजूद इसके जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं। कार्रवाई नहीं होने की वजह से अवैध लैब संचालकों के हौंसले इतने बढ़ गए हैं कि लैब में मरीजों का खुले आम खून चूसा जा रहा है, क्योंकि इन लैब में कराई गई जांचों की रिपोर्ट कितनी सही होगी, इसका जवाब देने के लिए कोई भी तैयार नही है।ऐसा लगता है कि स्वास्थ्य विभाग अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब पर कार्रवाई के मूड में ही नहीं है। नतीजन मरीजों की हेल्थ से खिलबाड़ जारी है। प्रशासनिक अनदेखी की बदौलत झोलाछापों ने क्लीनिक के साथ पैथोलॉजी लैब भी खोल रखी हैं।

-नियमों की अनदेखी

जानकारों के मुताबिक पैथोलॉजी जांच की रिपोर्ट को प्रमाणित करने के लिए एमसीआइ (मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा पंजीकृत तथा पोस्ट ग्रेज्युएट डिग्रीधारक चिकित्सक को ही अधिकृत माना है।इसके साथ ही लैब में योग्यताधारी लैब टेक्नीशियन पदस्थ होना जरूरी है।जबकि जिले में नॉन पैथोलॉजिस्ट तथा झोलाछाप चिकित्सा कर्मी भी खून,पेशाब,खंगार का नमूना

लेकर जांच रिपोर्ट भी दे रहे हैं।जो गलत होने के साथ स्वास्थ्य अधिनियम का भी खुला उल्लंघन है।इसके पालन नहीं करने पर कैद और जुर्माना का प्रावधान है।

-अनाड़ी बना रहे रिपोर्ट

पूरे मामले से साफ हो जाता है कि किसी भी पैथालॉजी में मापदंड का पालन नहीं किया जा रहा।लिहाजा नमूना एकत्र करने से लेकर जांच रिपोर्ट जारी करने का काम अनाड़ियों के हांथों में ही है।ऐसी दशा मे जाँच रिपोर्ट की विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में है।आलम यह है कि अधिकांश जांच घरों में अप्रशिक्षित कर्मियों द्वारा ही मरीजों का खून, पेशाब व अन्य जांच की जा रही है। हैरान करने वाली बात तो यह है कि इसी आधार पर चिकित्सकों द्वारा मरीजों का ईलाज और दवा लिखी जा रही है। जिसका आर्थिक,शारीरिक और मानसिक खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।इस बाबद प्रशासन भी गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

-मनमाफिक बसूली

नियमानुसार प्रत्येक जाँच के लिए रेट चार्ट भी लगाने का स्पष्ट निर्देश है। इसके पीछे मूल उद्देश्य यह है कि जांच के नाम पर मरीजों से निर्धारित राशि ही वसूल की जाए और इसमें मनमानी न हो। लेकिन, जिले के अधिकतर जांच केंद्रों पर शुल्क तालिका नहीं लगी है। इसके कारण जैसा मरीज,वैसा शुल्क का फॉर्मूला अपनाया जा रहा है।

-योग्यता और रजिस्ट्रेशन दरकिनार

लैब संचालन के लिए शासन द्वारा विधिवत नियम लागू किए गए हैं, लेकिन जिले में आश्चर्यजनक रुप से डीएमएलटी व उनके सहयोगी तक लैब संचालित कर रहे हैं, वे ही रिपोर्ट में साइन करके दे रहे हैं, जबकि लैब संचालक एमबीबीएस, एमडी पैथोलॉजिस्ट होना चाहिए। इतना ही नहीं अवैध तरीके से संचालित हो रहीं लैब के पास न ही नियमानुसार पॉल्यूशन बोर्ड का रजिस्ट्रेशन है और न ही पंजीकृत मेडिकल वेस्ट फर्म का पंजीयन है।

-जिला अस्पताल में 20 रुपया में 110 जांच की सुविधा

अनाधिकृत, महंगी और फर्जी जांचों पर लगाम लगाने हेतु जिला अस्पताल में मात्र 20 रुपये में 110 प्रकार की पैथालॉजी जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां आधुनिक उपकरणों के जरिये सरकारी तौर पर अधिकृत जांच रिपोर्ट जारी की जाती है।लेकिन जागरूकता की कमी के चलते मरीज इसका लाभ नहीं ले पा रहे।इसमें कमीशन के चक्कर मे चिकित्सकों की भूमिका भी संदिग्ध है।

-कलेक्शन सेंटर की आड़ में खेल

कार्रवाई से बचने शातिर लैब संचालकों ने एमबीबीएस से सांठगांठ करके कलेक्शन सेंटर के नाम पर खेल करने का जुगाड़ बना लिया है।लेकिन अन्य जरूरी मापदंड को पूरा करने में यह संचालक नाकाम साबित हो रहे हैं।ऐसी स्थिति में आवेदन निरस्त होने की पूरी गुंजाइश है।

इनका कहना है

हमारे कार्यालय में पैथालॉजी संचालन हेतु अभी तक ऑनलाइन पांच आवेदन प्राप्त हुये हैं।इनकी जांच करवाई जावेगी,मापदंड पूरा नहीं होने पर आवेदन निरस्त किया जावेगा।फिलहाल किसी को भी पैथालॉजी संचालन की अनुमति जारी नहीं की गई है। अवैध संचालन पर शीघ्र कार्रवाई की जावेगी।

-डॉ रमेश मरावी, मुख्य चिकित्सा

कॉलेज परिसर में किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। करंजिया मुख्यालय के शासकीय महाविद्यालय परिसर में बुधवार नमामि गंगे परियोजना के परिपालन में जल संरक्षण पखवाड़ा का आयोजन जनपद पंचायत करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर पी कुशवाहा के गरिमामई उपस्तिथि में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दिलीप ताम्रकार व मंडल अध्यक्ष राजकुमार मोंगरे द्वारा आगुंतकों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नव निर्माणाधीन शासकीय कालेज भवन के प्रांगण में फलदार आम नीम आंवला गुलमोहर आदि फलदार पौधों का वृक्षारोपण कर इनके संरक्षण का संकल्प लिया कार्यक्रम के अगले चरण में जल संरक्षण पखवाड़े के तहत ग्राम करंजिया में थाना टोला तालाब के जीर्णोद्धार के लिए शिलान्यास किया गया । इस अवसर पर

महाविद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार वास्पे ने बताया कि वातावरण में तापमान में जिस प्रकार वृद्धि हो रही है यह बेहद चिंताजनक है यघपि भविष्य में होने वाली असुविधाओं से बचने के लिए अभी से चेतना जरूरी है वरना वह दिन दूर नहीं जब लोग गर्मी के असर से हलाकान परेशान हो इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए वृक्षारोपण करना चाहिए।

कार्यक्रम के दरमियान भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दिलीप ताम्रकार मंडल अध्यक्ष राजकुमार मोंगरे सरपंच जमोत्री श्याम ,एल एस ठाकुर मनोज सिवने स्नेहलता पटेल लोक सिंह पेन्द्रों प्रो डॉ राघवेंद्र सिंह दांगी के महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं ने भी सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी। ग्राम पंचायत भवन अमरपुर में नायब तहसीलदार आर पी मार्को के उपस्थिति में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड अमरपुर में विश्व पर्यावरण दिवस संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के समाजसेवी सुरेश चंद्रौल, राजेश कछवाहा, पार्वती बर्मन, गुलाब सिंह ठाकुर, साहब लाल पुषाम, अशोक ठाकुर, गजेंद्र सिंह ठाकुर, ग्राम पंचायत सरपंच रामनाथ उद्दे, ग्राम पंचायत सचिव प्रकाश सोनवानी, रोजगार सहायक संजय यादव, विकासखंड समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अमरलाल धुर्वे, परामर्शदाता लाल सिंह ठाकुर, मनोज कुमार तंतुवाय, अशोक यादव, तिलक सैयाम, राधे श्याम बनवासी, नवांकुर संस्था से अरविंद यादव, धोबी सिंह परस्ते, श्याम सिंह धुर्वे, संध्या केवट तथा प्रस्फुटन समिति के कार्यकर्ता तथा बउबसकच छात्र एवं ग्रामवासी की उपस्थिति रही। बैठक में गुलाब सिंह ठाकुर सेवा निवृत्त शिक्षक द्वारा पर्यावरण को समझाते हुए सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा रासायनिक खाद एवं पॉलिथीन का उपयोग पूर्णतया बंद कर हम पर्यावरण का संरक्षण करने का प्रयास करें जिससे पूर्व के भारत के रहन-सहन संस्कृति रीति रिवाज परंपरा पुनः स्थापित हो सके। वहीं पर नायब तहसीलदार आर पी मार्को द्वारा अपने-अपने गांव में फलदार एवं छायादार पौधे लगाएं जिससे कि आय का स्रोत बढ़ेंगे और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा तथा शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपने ग्राम के लोगों को प्रेरित करने के लिए कहा गया। तदूपश्चात धोबी सिंह परस्ते एवं गजेंद्र ठाकुर द्वारा हिंदुत्व रीति रिवाज के आधार पर पर्यावरण को अवगत कराते हुए पृथ्वी मां को संरक्षित करने से ही पर्यावरण संतुलित हो पाएगा जिससे कोरोना जैसे महामारी पुनः ना हो। संगोष्ठी के पश्चात खरमेर नदी, श्मशान घाट एवं हनुमान घाट में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

तीन उपार्जन केंद्रों में 2 करोड़ 62 लाख की 11 हजार 677 क्विंटल धान बर्बाद

-विभागीय अधिकारी ने मेंटेनेंस कंपनी की बताई लापरवाही

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। आदिवासी बाहुल्य डिंडोरी जिले में जो सरकारी धान उपार्जन उपरांत चावल के रूप में गरीबों को वितरित होनी थी,वह सैंकडों क्विंटल सरकारी धान विभागीय लापरवाही के चलते बर्बाद हो गई है।तीन उपार्जन केंद्रों पर 2 करोड़ 62 लाख के नुकसान का यह लापरवाही भरा मामला सामने आया है।दरअसल वर्ष 2022-23 में मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एवं लाजिस्टिक्स कारपोरेशन के द्वारा तीन अलग अलग ओपन कैब में सैंकडों क्विंटल धान का भण्डारण किया गया था, जिसकी देखरेख एवं रखरखाव का ठेका अहमदाबाद स्थित एक कंपनी को दिया गया था। भण्डारित धान का रखरखाव करने वाली कंपनी की लापरवाही के चलते सैंकडों क्विंटल धान बारिश में भीगकर बर्बाद हो गया। जिम्मेदार अधिकारियों के मुताबिक जिले की तीन ओपन कैब में भण्डारित 11 हजार 677 क्विंटल धान बारिश में भीगने से पूरी तरह बर्बाद हुआ है। जिसकी जानकारी भोपाल कार्यालय को तो भेज दी गई है। लेकिन खराब धान अभी भी ओपन कैब में रखा हुआ है। बहरहाल धान पूरी तरह से सड़ चुका है। जिसकी दुर्गन्ध से

आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया है। तो वहीं सड़े गले धान को आवारा मवेशी खा रहे हैं, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर भी पड़ रहा है।पूरे मामले पर सफाई देते हुये मध्यप्रदेश वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक कारपोरेशन के जिला प्रबंधक होती लाल मरावी ने बताया की चाँदपुर ओपन कैब में 8785,निगवानी में 2416 एवं धमनगांव में 475 क्विंटल धान पूरी तरह से खराब हुआ है।जिसकी रिपोर्ट उन्होंने भोपाल कार्यालय को प्रेषित कर दी है।पूरे मामले पर विभागीय अधिकारियों ने मेंटेनेंस कंपनी पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा है और नुकसान की भरपाई की बात कही है।पूरे मामले में एमपीडब्ल्यूएलसी के साथ नान विभाग पर भी उंगली उठ रहीं हैं। चूंकि उपार्जन व्यवस्था नागरिक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के हांथों में होती है।लिहाजा इस लापरवाही में नागरिक आपूर्ति विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। चांदपुर निवासी सुनील ने बतलाया कि इस बाबद विभाग को शिकायतें की हैं।लेकिन खराब हो चुकी धान को अभी तक नहीं उठाया गया है।जिससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई है।वहीं इसके सेवन से मवेशी भी बीमार पड़ रहे हैं।

इनका कहना है

तीन ओपन कैब में रखी धान पूरी तरह खराब हो गई है।इसकी कुल मात्रा 11 हजार 677 क्विंटल है। धान की देखरेख की जिम्मेदारी कंपनी की थी। इस बाबद भोपाल स्तर पर अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

-होती लाल मरावी, प्रबंधक एमपीडब्ल्यूएलसी डिंडोरी

पानी की किल्लत से त्रस्त ग्रामीणों ने जबलपुर अमरकंटक मार्ग किया जाम

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। जिले में गर्मी अपने चरम पर है और भू जल स्तर नीचे खिसकता जा रहा है । जिससे जल स्त्रोत में पानी की उपलब्धता की कमी होने से पेय जल संकट गहराता जा रहा है। जिले में अधिकांष इलाको में पेय जल को लेकर त्राही मची हुई और बूंद बूंद पानी सहेजने के लिए ग्रामींणो को लंबी कतार के साथ रतजगा तक करना पड रहा है। आलम यह है कि ग्रामो में स्थित हैंडपंप या तो बिगडे पडे है या हवा उगल रहे है वही कुंआ भी सूख गये है। जल जीवन मिषन के तहत नल जल योजना भी असफल नजर आ रही है । ऐसी दषा में ग्रामींण प्रषासन को पेय जल उपलब्ध कराने के लिए गुहार लगा रहे है। लेकिन पेय जल समस्या का निदान न होने के कारण अब ग्रामींण सडक पर उतरकर विरोध जताना शुरू कर दिया है दो दिन पूर्व जल्दामुढिया के ग्रामीणो ने पेय जल संकट से त्रस्त होकर डिण्डौरी मंडला मार्ग में जाम लगा दिया था । जिसके बाद प्रषासन के द्वारा पेय जल उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई तब ग्रामींणो ने मार्ग बहाल किया वहीं गुरूवार की सुबह डिंडौरी अमरकंटक मार्ग पर ग्राम महावीर टोला के ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पानी के लिए वे पिछले एक सप्ताह से नल जल योजना बंद होने से परेशान है, लेकिन जिम्मेदार उनकी समस्या के हल के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे। परेशान ग्रामीणों ने सुबह लगभग 9 बजेखाली बर्तन लेकर सड़क पर आ गए। सूचना पर तहसीलदार और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों की समझाइश के बाद ग्रामीण माने और सुबह लगभग 10 बजे के आसपास जाम समाप्त हुआ। इस दौरान लगभग एक घंटे तक जबलपुर से अमरकंटक मार्ग जाम रहा। जाम के दौरान मार्ग के दोनों और वाहनों का जमावड़ा लग गया और यात्री परेशान होते नजर आये। वहीं गुरूवार को पेय जल समस्या से परेषान खितौली के ग्रामीणो ने कलेक्टर को आवेदन सौपते हुए समस्या से अवगत कराया आवेदन में उल्लेख किया गया है कि गांव में स्थित तीन हैंडपंप बंद पडे है इसके अलावा गांव में सभी कुंआ सूख गये है । ऐसी दषा में ग्रामींणो को लगभग डेढ़ किलो मीटर दूर बुढनेर नदी से पानी लाकर प्यास बुझाना पड रहा है ।

सीएम राइस स्कूल चरगांव में ठेकेदार की दबंगई

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। शहपुरा विकासखंड अंतर्गत चरगांव में निर्माणाधीन सीएम राईज स्कूल में ठेकेदार की मनमानी सामने आई है। दबंगई दिखाते हुये ठेकेदार के कर्मचारियों ने नहर को छतिग्रस्त किया है और नहर के पानी का निर्माण कार्य मे उपयोग में किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है।पूरे मामले की शिकायत एसडीएम और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से की गई है।जिन्होंने जांच का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि चरगांव गांव में पुलिस हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से 38 लाख की लागत से सीएम राइज स्कूल भवन का निर्माण हो रहा है।यहां कुछ दूरी पर बिलगांव मध्यम परियोजना की नहर है।जिसका फायदा उठाने की नियत सड़क निर्माण करने वाली कंपनी ने नहर को छतिग्रस्त करके पानी का वहाव निर्माण कार्य की तरफ कर दिया है और पानी में मोटर

पंप डालकर भवन निर्माण में पानी का उपयोग शुरू कर दिया है।जिससे कृषक और ग्रामीण परेशान है,ग्रामीणों का आरोप है की सीएम राइज स्कूल निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा नहर को तोड़ दिया गया जिससे ग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है।वहीं गांव तक पानी नही पहुंच पा रहा है।जबकि जलसंकट को ध्यान में रखते हुए नहर में पानी छोड़ा गया था।ग्रामीणों के मुताबिक इस कंपनी द्वारा नहर को तोड़कर पंचायत द्वारा निर्मित स्टाप डेम में पानी भरा जाता है।इसके बाद इस डैम से मोटर पाइप लगाकर जहां निर्माण कार्य हो रहा है वहां पानी ले जाया जाता है।कंपनी के साइड इंचार्ज ने नहर तोड़ने की बात से इंकार करते हुए ये जरूर कहा है कि निर्माण कार्य मे पानी का उपयोग हो रहा है।

अवैध शराब के साथ दो युवक धराये

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। कोतवाली थाना पुलिस ने दो स्थानो से रेड कार्यवाई करते हुए अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं । जिनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34ए के तहत कार्यवाइर्र की गई है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की पिपरिया मेन रोड में एक घर के सामने एक आदमी अवैध रूप से शराब विक्री की नियत से रखा हुआ है सूचना के बाद कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक सत्यनारायण पटेल हमराह स्टाप के साथ बताये ठिकाने पर पहुंचकर बताये हुलिया के मुताबिक मौजूद व्यक्ति से पूछताछ करते हुए उसके हांथ में रखे नीले रंग का थैला की तलाषी ली गई जिसमें 60 पाव जीनियष रम अंग्रेजी शराब कीमत 6600 रूपये बरामद किया गया । आरोपी से नाम पता पूछने पर अपना नाम संतोष परमार पिता द्वारका परमार उम्र 25 साल निवासी सिमरिया का होना बतलाया। वहीं मुखबिर की सूचना पर दबिष देते हुए पिपरिया गांव में ही राजेष बर्मन पिता डुमारी लाल बर्मन उम्र 24साल निवासी सिमरिया के कब्जे से थैला में रखे 20 पाव जीनियस रम अंग्रेजी शराब कीमत 2200 रूपये बरामद किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाई करते हुए पेषी तारीख में न्यायालय में उपस्थित होने नोटिस तामील किया गया ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 7 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

किसानों ने अनियमितताओं को लेकर एसडीएम को सौपा ज्ञापन

नरसिंहपुर । विगत दिवस कुम्हडाखेड़ा स्थित वेयरहाउस में भारी अनियमितताओं के चलते नियम से खाद्य वितरण ना किए जाने के विरोध में कृषको ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय दंडाधिकारी श्रीमती देवंती परते के नाम का एक ज्ञापन बड़े बाबू प्रमोद नेमा को सौपा, ज्ञापन में किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए उल्लेखित किया है कि ग्राम कुम्हड़ाखेड़ा स्थित वेयर हाउस में खाद्य वितरण में भारी अनियमिताएं की जा रही है,जिसकी वजह से किसानो को इस भीषण गर्मी में चिलचिलाती धूप में लगातार कई घंटो तक खड़ा होने पर मजबूर किया जा रहा है,लेकिन जो दबंग टाइप के किसान होते हैं उन्हें बिना लाइन के खाद्य दे दी जाती है जोकि नियमानुसार अनुचित है, इस प्रकार के रवैया के कारण एक किसान संतोषराठौर निवासी सालीवाड़ा को खाद्य लेने के लिए घंटो धूप में खड़े रहने के कारण चक्कर आ जाने पर उन्हें तत्काल शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया क्योंकि उनका बी पी 175 तक पंहुच गया था, ऐसी अनेक विसंगतियां लगातार होने के साथ-साथ वेयरहाउस के जिम्मेदार कर्मचारिओं का व्यवहार बेहद खराब एवं अभद्रता पूर्ण होने के कारण क्षेत्र के सम्पूर्ण किसानो में आक्रोश व्याप्त है,ऐसी स्थिति के बावजूद भी शासन प्रशासन कहते हैं कि नियमानुसार खाद्य का वितरण कराने हेतु ठोस कदम उठाये जावें। उक्त मौके पर नीरज लोधी यश लोधी श्रीकांत लोधी घनश्याम सिह सहित बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित थे ।

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है उर्वी व सिद्दी

करेली । बारिश का मौसम आने वाला है नन्हें पौधों को तैयार कर इनको अपने आस पास के क्षेत्र में लगाया जा सकता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर उर्वी व सिद्दी गुप्ता ने अपनी छोटी से नर्सरी में तैयार किये पौधे जिन्हें...बारिश में समय समय पर विविध स्थानों पर लगाया जावेगा तैयार किए जा रहे पौधों में पीपल, आम, नीबू, बिही, मीठी नीम, अशोक नीम आदि शामिल है प्रकृति हमें संतुलन का अवसर देती है इन दिनों आम की निबोली आ गई है जिनसे पर्याप्त मात्रा में नन्हें नन्हें पोधें तैयार किये जा सकते है आपने देखा होगा कि नीम के पेड के आस पास ही बारिश के दिनों में पौधे तैयार होते है पर उचित देखभाल नहीं होने पर ये असमय दम तोड़ देते है जिस तरह तापमान बढ रहा है ऐसे में सभी का दायित्व है कि पौधे लगाये-पेड़ बनाये। पौधे आज की जरूरत बन गये है नीम, पीपल एवं बरगद के पेड़ों के नीचे बैठने से भी शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल जाता है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के साथ आसपास की हवा दिन व दिन खराब होती जा रही है। ऑक्सीजन की कमी के चलते लोगों को सांस संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए पौधे लगाना जरूरी है। 5 जून 1972 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीडन में विश्व भर में 119 देशों के सम्मेलन में प्रथम पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था तब से सारा विश्व 5 जून को हर बार पर्यावरण-दिवस मना रहा है। हमारे यहां यह दिवस सिर्फ कागजी व मौखिक जागरूकता का प्रदर्शन करने वाले सिद्व हो रहे है।

कलम बाई ठाकुर का निधन

नरसिंहपुर। गत दिवस नगर निवासी मनोहर ठाकुर (पूर्व पार्षद) जगदीश ठाकुर ब्रजेश ठाकुर एवं दुर्गेश ठाकुर जी करेली की माताजी श्रीमती कलम बाई जी का अस्वस्थ्यता के चलते निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार बरमान रेत घाट में संपन्न हुआ जहां समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया पौधारोपण

जल स्त्रोतों के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए एकजुट होना होगा: मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाये जा रहे जल-गंगा संवर्धन अभियान के दूसरे दिन ग्राम पंचायत बाबरिया में आयोजित कार्यक्रम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तय किया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल स्त्रोतों तथ नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिये विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। जल-गंगा संवर्धन अभियान, गंगा दशमी के बाद भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने पुरखों के अनुभव और उनके दूरदर्शी विचारों पर गौर करें। गंगा दशहरा के पहले किसान बंधु मेढ़ बंधान एवं जो करना है वो पहले कर लेते हैं। क्योंकि उन्हें मालूम है कि बरसात आयेगी, तब हम कुछ नहीं कर पायेंगें। यह हमारे पुरखों- बुजुर्गों की सोच थी। हमें भी अपने भावी पीढ़ी के बारे में सोचना होगा।

सींगरी को किया जाये संरक्षित

इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने सिंगरी नदी के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आप सींगरी नदी के भविष्य को देखें। पहले सींगरी नदी का स्वरूप कैसा था और आज सींगरी नदी की हालत क्या हैं। यह हम सब अच्छी तरह जानते है। हम सींगरी को संरक्षित करके रखते तो आज वह बारहमासी होती। पांच नदियां करेली के पहले मिलती हैं, पर एक बूंद पानी भी नर्मदा नदी के भीतर नहीं जाता। इससे ज्यादा कोई दूसरा प्रमाण नहीं हो सकता। हम दिन- रात जिस तरीके से प्रकृति का दोहन कर रहे हैं यह हम सबके लिए खतरनाक है। यदि हम अच्छा काम करेंगे, तो उसका लाभ हमारे बच्चों को मिलेगा। हम क्या करना चाहते हैं यह हमें तय करना पड़ेगा।

बिना पानी सब शून्य

जिस सींगरी के कारण नरसिंहपुर समृद्ध हुआ। सींगरी नदी से 12 से 13 पंचायत के लोग खेती सिंचाई तो करते हैं, लेकिन सींगरी को देना नहीं चाहते। उन्होंने यहाँ मौजूद किसानों से कहा कि हमें भू जल स्तर को बनाये रखना होगा। पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। अधिक लालच भावी पीढ़ी का भविष्य नष्ट कर देगा। सींगरी नदी के स्त्रोत को बचाने के लिए कोशिश की गई थी। सींगरी नदी में पानी बहता रहे, दिखता रहे इससे ज्यादा आनंद की अनुभूति और क्या होगी।

सूखी नदी अच्छे संकेत नही

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वे बजट में प्रावधान करेंगे कि जहां भी नदी का उद्गम होगा,उसके समीप जितनी भी सरकारी जमीन होगी उनकी चैकोर फेंसिंग कर दें। हम सब मिलकर बरसात में वहां पौधरोपण कर सकते हैं जिससे उस पानी के स्त्रोत को मजबूती मिलें। जल स्त्रोतों के पास कौन से पौधे लगाये जायें, जो जल के स्त्रोत को मजबूत कर सकें इसके लिए हमें उन पौधों की जानकारी भी हो।ऐसी सूची बनाकर लोगों तक पहुँचाएँ, जिससे लोगों को पता चल सके। बिना वृक्ष के जल नहीं हो। जिस प्रकार यह बारहमासी नदियां सूखी हैं यह हमारे लिए अच्छे संकेत नहीं है। एक कदम जीवन में कम से कम कुछ करने का रखना चाहिये, आप 5 पौधे ही लगाये और उनकी सुरक्षा करें। बरसात के पानी का संरक्षण वर्तमान की आवश्यकता है। यह भू जल स्तर वृद्धि में सहायक सिद्ध होगा।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक जालम सिंह पटैल, अभिलाष मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी ने भी अपने- अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, डॉ. हरगोविंद पटैल, सरपंच ग्राम पंचायत बाबरिया, अन्य जनप्रतिनिधि कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

वट सावित्री अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने नर्मदा जी में लगाई डुबकी

नरसिंहपुर । गुरूवार को स्थानीय लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर में वट सावित्री अमावस्या के पावन अवसर पर स्थित वट वृक्ष एवं भगवान शिवजी के मंदिर में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पूनम जितेंद्र ठाकुर श्रीमती अदिति आशीष साहू श्रीमती रश्मि प्रदीप नेमा श्रीमती पूजा नीलेश चढार सुरभि चढार सत्यम चढार सहित अनेक महिलाओं ने भगवान हर हर महादेव भोले भंडारीजी की पूर्ण विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजन अर्चन आरती वंदन करने के पश्चात वटवृक्ष की पूजन अर्चन आरती वंदन कर रक्षासूत्र बांधकर अखंड सौभाग्यवती होने की कामना कर आशीर्वाद ग्रहण किया,इसके अलावा नगर एवं आसपास की ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने मुंआर घाट व झांसीघाट स्थित जगत जननी मां नर्मदा तट पर वट सावित्री अमावस्या के साथ साथ शनि जयंती पावन पर्व के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु बंधुओं ने भक्तिभाव के साथ श्रद्धा आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जितकर धर्मलाभ उठाया,प्रातःकाल से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु बंधुओं ने मां नर्मदा मैयाजी की तट पर पहुंचकर आस्था श्रद्धा की डुबकी लगाकर स्नान ध्यान करने के पश्चात मातारानी के दर्शनकर श्रद्धा पूर्वक भक्तिभाव से पूर्ण विधि विधान मंत्रोच्चारण के साथ पूजन अर्चन आरती वंदन करने के पश्चात प्रसाद वितरित कर आशीर्वाद ग्रहण किया,वहीं दूसरी ओर आज ही के दिन वट सावित्री अमावस्या हिंदुओं का एक प्रमुख धार्मिक त्योहार है, यह त्यौहार जेठ मास की कृष्ण पक्ष को प्रतिवर्ष भक्तिभाव श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है, अनादिकाल से चली आ रही परंपरा के अनुसार कृष्णपक्ष की अमावस्या के दिन वट सावित्री पर्व पर महिलाएं उपवासकर भक्तिभाव श्रद्धा पूर्वक वटवृक्ष की पूजन अर्चन आरती वंदन कर अपने पति की दीर्घायु की कामना की ।

भक्तिमय रहा माहौल , भव्य कलश यात्रा के साथ हनुमंत कथा प्रारंभ

चोरों ने महिलाओं के जेवर किये पार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गुरूवार को जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम नवलगांव मे आयोजित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के मुखारविंद से प्रवाहित होने वाली श्री हनुमंत कथा की कलश यात्रा सदर मड़िया प्रांगण से निकाली गई कलश यात्रा में हजारों की संख्या में नगर तथा संपूर्ण जिले की मातृशक्ति ने बड़े हर्षउल्लास के साथ पीला तथा लाल परिवेश धारण किया। कलश यात्रा के दौरान पूरा नगर भगवामय दिखाई दे रहा था कलश यात्रा में सम्मिलित सभी का जगह-जगह स्वागत किया गया अनेकों प्रकार खान पान के स्टॉल लगाकर अभिनंदन किया गया। यह यात्रा सुभाष पार्क मुख्य बाजार सिंहपुर चैराहा से होते हुए बरगी कॉलोनी बायपास तक पहुंची। इसी समय महाराज जी का आगमन नरसिंहपुर हुआ अल्प प्रवास के उपरांत कथा का प्रारंभ हुआ। ग्राम नवलगांव में कथा श्रवण करने धर्म प्रेमियों की उपस्थित इस कदर है विशालकाय महा पंडाल भी छोटा नजर आ रहा है नरसिंहपुर जिले के इतिहास में दर्ज होने वाली श्री हनुमंत कथा को श्रवण करने धर्म प्रेमी किसी भी बात की परवाह किए बगैर एक लक्ष्य बनाकर पहुंच रहे हैं। हजारों की संख्या में कथा स्थल पर पांच दिवस के लिए घर का त्याग कर 24 घंटे रहकर कथा का रसपान करने कथा स्थल पर रुके हुए हैं। कथा आयोजन करता अजय लोधी एवं आयोजन समिति का भी हर संभव प्रयास है की जो धर्म प्रेमी कथा श्रवण करने दूर दराज से पहुंच रहे हैं उनको कोई असुविधा न हो सभी प्रकार से व्यवस्थाएं की जा रही है।

चोरो ने दिखाया करतब

भव्य कलश यात्रा के दौरान चैरों ने भी अपना करतब दिखाया और कलश यात्रा के दौरान दर्जनों महिलाओं के जेबर पार कर दिये। कलश यात्रा पूर्ण होने के बाद महिलाओं ने परिजनों के साथ थाना कोतवाली जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। हालांकि उक्त घटना से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल भी उत्पन्न हो रहे । जिले में हो रहे विशाल आयोजन के आयोजकों ने सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किये जिससे चारों ओर अव्यवस्था फैली हुई है, आज सुबह ही कलश यात्रा में लुटेरी गैंग शामिल रही जिसने एक दर्जन से ज्यादा भक्त महिलाओं के एक -एक कर मंगलसूत्र और सोने के जेवर झपट लिए। वे महिलाएं रोती बिलखती रहीं और परिजनों के साथ थाने शिकायत करने पहुंची।

केवल कागजों तक सीमित ना रहे जल संरक्षण अभियान

अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते हुए जमींदोज हो गये नगर के 17 कुएं

तेंदूखेड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस से गंगा दशहरा तक प्रदेश के प्रत्येक जिला ब्लाक पंचायत स्तर पर जल संरचनाओं की मरम्मत पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण के लिए अभियान चलाया जाएगा लेकिन यह अभियान केवल कागजों तक ही सीमित ना रह जाए। धरातलीय स्तर पर जनभागीदारी के साथ प्राचीन जल स्त्रोतों को सहेजने और संरक्षण की दिशा में मिलकर काम होने चाहिए। एक समय था जब लोग दूसरों को ठंडा शीतल पेयजल व्यवस्था हेतु जगह जगह कुआ बावड़ियों का निर्माण कराया करते थे। लेकिन अब समय की बलिहारी कही जाये या फिर सुविधा भोगी होती जिंदगी के चलते प्राचीन जल स्त्रोत अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ते हुए जमींदोज होते चले जा रहे हैं।भले ही शासन प्रशासन भीषण पेयजल संकट के समय या पर्यावरण समस्या के समय जल जंगल जमीन को बचाने तरह तरह के अभियानों के माध्यम से कागजी घोड़े दौड़ा कर केवल खाना पूर्ति में जुट जाती है समय निकलते फिर वही स्टिम प्रारंभ हो जाता है। तेंदूखेड़ा के सरकारी रिकॉर्ड में 17 पक्के कुये और 13 अन्य जल स्त्रोत दर्ज हुआ करते लेकिन आज की तारीख में यह स्थिति बनीं हुई है कि यहां पर ना ही कोई जल स्त्रोत सुरक्षित है और ना ही एक भी कुआ सुरक्षित बचा हुआ है।किसी पर आलीशान भवन तो कहीं मंदिर या फिर किसी को कचड़ा दान का स्वरूप प्रदान कर दिया गया है।

यही हाल तालाबों का भी

इसी तरह से नगर में दो तालाब है जिनमें खसरा क्रमांक 17 रकबा 11ध्88में फुट्टा तालाब दर्ज है तो खसरा नंबर 396 में 5.38 हेक्टेयर भूमि में बिल तला स्थित है लेकिन आज भी बिल तालाब अपने अस्तित्व को बचाने में जुटा हुआ हैं। दिनों दिन इसका आकार सकरा होने के साथ अब कृषि उपज उपजाई जाने लगी है। रामघाट के समीप एक बावड़ी तथा परम्परागत जल स्त्रोत हुआ करते थे जो अब नहीं बचें है। विगत वर्षों में बावड़ी की सफाई के दौरान उसमें पानी जरूर निकलने लगा था लेकिन उचित रखरखाव ना हो पाने के कारण वही ढाक के तीन पात वाली कहावत ही चरितार्थ हो रही है।

विलुप्त हो गये राधा कृष्ण कुंड

रामघाट के समीप झरनों और कुंडों के बीच दो राधा कृष्ण नाम से कुंड बनें हुए थे इनमें एक कुंड में गर्म और दूसरे में ठंडा पानी रहता था लोग प्रातः काल दैनिक क्रियाओं के उपरांत अक्सर कर नहाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते थे लेकिन अब इन कुंडों का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है।ना झरनें बचें है और ना ही कुंड यदि इनका शुरू से ही उचित रखरखाव होता रहता तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती।

ढिलवार की बहर ही शेष बची

गौड़ राज दरबार में अपनी व्यक्तिगत व्यवस्थाओं को लेकर आदिवासी बाहुल्य ग्राम ढिलवार में ही केवल बहर देखने को मिलती हैं। ग्राम पंचायत के साथ साथ गांव के लोगों की सजगता के चलते यह अभी तक सुरक्षित है। समय समय पर इसकी साफ सफाई और पुताई होती रहती है इसमें अभी भी पानी भरा हुआ है। लेकिन लोग बहुत ही कम उपयोग किया करते हैं। लेकिन इस धरोहर को संजोकर रखने की जवाबदेही ग्रामीणों की है। वहीं एक मात्र प्राचीन तालाब जिसमें वर्ष भर पानी भरा रहता था लोगों के निस्तार के साथ मवेशियों को पानी पीने मिला करता था लेकिन चंद स्वार्थों के चलते उसका भी अस्तित्व मिटा डाला जो अपने उद्धार को लेकर बाट जोह रहा है।

नदियों का हो संरक्षण

नदी पुर्नजीवन के तहत तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ और पांडाझिर सिंदूर नदी के साथ साथ घोघरा नाला का भी उत्थान किये जाने की महती आवश्यकता है।नदी पुर्नजीवन के तहत पूर्व में भी कुछ नदियों का चयन किया गया था लेकिन आज तक इस दिशा में कोई उचित पहल नहीं हो सकी।

पति की दीर्घायु, सुख, सौभाग्य के लिए किया वट वृक्ष का पूजन

तेंदूखेड़ा। अखण्ड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना को लेकर किया जाने वाला भारतीय सांस्कृतिक एवं पारम्परिक बट सावित्री व्रत महिलाओं के द्वारा बरगद की नीचे ब्रह्मा और सावित्री के साथ सत्यवान सावित्री का विधिवत पूजन करते हुए संपन्न हुआ। इस दिन प्रातः काल से ही सौभाग्यवती महिलाओं की नगर में स्थित बरगद के वृक्षों के नीचे बड़ी संख्या में भीड़ देखी गई। बट वृक्ष में ब्रह्मा विष्णु महेश के प्रत्यक्ष स्वरूप को मानकर व्रती महिलाओं द्वारा कलावा और कच्चा सूत्र लपेटकर विधि पूर्वक गंध अक्षत पुष्प धूप दीप नैवेद्य आदि से पूजन अर्चन करके परिक्रमा लगाई गई। देवी सावित्री के द्वारा उनके पति- व्रत धर्म की शक्ति के फल स्वरूप अल्पायु पति सत्यवान को दीर्घायु की प्राप्ति हुई।उसी समय से इस दिन बट सावित्री का व्रत प्रारंभ हुआ। कुछ क्षेत्रों में इस व्रत को तीन दिनों तक किया जाता है। पति की दीर्घायु और सुख सौभाग्य की प्राप्ति के लिए नारी जाति के लिए यह उत्तम व्रत है।

मनाई गई शनि जयंती

शनि जयंती के पावन पर्व पर शनि मंदिरों में भी शनि भक्तों की भीड़ देखी गई। भक्तों ने शनिदेव का तेल से अभिषेक करके उड़द तिल गुड का भोग लगाकर दीपदान किया। आचार्य प्रमोद पचैरी के अनुसार ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या को दो पर्व मनाया जाते हैं। पुराणों के अनुसार इस दिन सूर्य नारायण की पत्नी देवी छाया ने शनि देव को जन्म दिया था । नव ग्रहों और देवताओं में शनि देव का विशिष्ट महत्व है। शनि देव को न्याय का देवता माना जाता है।इस दिन शनिदेव का विधिवत पूजन करके तेल से अभिषेक करना चाहिये शनिदेव को उनकी प्रिय ध्वजा चढ़ाना चाहिए ।इस दिन काला तिल ,उड़द, लोहा ,काला वस्त्र तेल आदि शनि देव को समर्पित करने से शनि की साढ़ेसाती और ढैया दशा की प्रतिकूलताओं का निवारण होता है। नगर के गोपाल लाल मंदिर के समीप शनि मंदिर परिसर में रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन के साथ साथ भजन कीर्तन हुए तथा सुबह से ही शनि महाराज का पूजन अर्चन किया गया।